

दिनांक 10 जनवरी, 2018 को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विभाग द्वारा आयोजित “Global Skill Summit 2019” के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विभाग द्वारा आयोजित “Global Skill Summit 2019” के अवसर पर सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- आज “Global Skill Summit 2019” का आयोजन एक व्यापक उद्देश्य के साथ किया जा रहा है। यहाँ देश के विभिन्न नीति-निर्माता एवं औद्योगिक घराने एवं कंपनियों से आये हुए प्रतिनिधि हमारे युवाओं को रोजगार सुलभ कराने हेतु आये हुए हैं। झारखण्ड के युवाओं को रोजगार सुलभ कराने की दिशा में पहल करने हेतु मैं उन्हें बधाई देती हूँ।
- झारखण्ड राज्य के हमारे युवा अत्यन्त ही मेधावी हैं। वे परिश्रमी हैं तथा विपरीत एवं विषम हालात में भी अच्छा करने की क्षमता रखते हैं। उनमें हर क्षेत्र में असीम प्रतिभा है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है। इसका पूरा देश साक्षी है।
- यहाँ के लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से राज्य ही नहीं पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। मेधा के क्षेत्र में लड़के एवं लड़कियों में भेद नहीं किया जा सकता है।
- लेकिन यह भी सत्य है कि रोजगार के अभाव में युवाओं में हताशा भी देखने को मिलती है। कारण है कि सरकारी नौकरियाँ कम हैं, जनसंख्या अधिक है। ऐसे में लोगों को

कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण सुलभ कराकर अथवा जिसका जिस क्षेत्र में रूचि है, उसमें और निपुण बनाकर रोजगार सुलभ कराने की और सोचना होगा।

- आज इस क्रम में देश के विभिन्न कंपनियों एवं औद्योगिक घरानों द्वारा हमारे युवाओं को रोजगार सुलभ कराने की दिशा में पहल करने की सराहना करती हूँ। साथ ही यह भी कहना चाहूँगी कि हमारे युवाओं को भी सम्मानजनक राशि मिले ताकि उनका शीघ्र ही अथवा एक-दो माह में ही नौकरी त्याग करने की नौबत न आये, इस ओर भी आप सब सोचे। मैं तो लोगों के लिए सहज उपलब्ध रहती हूँ और लोगों से निरंतर मिलना दिनचर्या है।
- कभी-कभी लोग मुझसे यह भी कहते हैं कि हमने अपने बच्चे को Loan लेकर पढ़ाया और उसका campus selection हुआ। campus selection होने पर पूरा परिवार प्रसन्न था कि अब उसके दुःख के दिन दूर हो जायेंगे, लेकिन फिर उसको बड़े शहर में यथा बेंगलूरु, मुम्बई, हैदराबाद, चैन्नई जैसे स्थानों एवं विदेशों में भेजा जाता है और राशि अत्यन्त कम दिया जाता है। परिणाम वे वापस आ जाते हैं।
- राष्ट्रहित में सभी कंपनियों से आग्रह है कि हमारे युवाओं के साथ सकारात्मक सोच रखें। उनसे पूरा काम लेने का हक है, मेधा का सम्मान किया जाय। लेकिन उनकी दशा को अपनी संतान की दशा समझकर कोई निर्णय लें। नौकरी मिलने में उतनी प्रसन्नता नहीं होती है, जितना कि नौकरी

जाने का गम। युवा **depression** में चले जाते हैं। इसलिए सभी इस पर चिन्तन करें। क्योंकि हमारे देश की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दशाएँ युवाओं पर ही निर्भर है। उन पर राष्ट्र का ही भविष्य निर्भर हैं।

- हमारे देश की विभिन्न कंपनियाँ, औद्योगिक घराने हमारे युवाओं में निहित उर्जा एवं शक्ति को सही दिशा दें, ताकि वे और दक्ष बने। वे सदा अच्छा करने की ओर प्रेरित हों तथा राष्ट्र के बेहतर निर्णायक बने।
- युवाओं से भी अपेक्षा रहेगी कि वे अपने अनुशासन का परिचय देते हुए पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करें। काम को पूजा की तरह लें। आपमें असीम क्षमता है, आप उद्योगपति भी बन सकते हैं। आप सिर्फ अच्छा कार्य करने ही नहीं, बल्कि उत्कृष्टता हासिल करने की ओर सोंचे। स्वयं के साथ अपने समाज, राज्य व राष्ट्र का नाम सुशोभित करें।
- आशा है कि आज इस क्रम में देश के कोने-कोने से आये विभिन्न कंपनियों को हमारी मेधा की झलक देखने को मिलेगी। अधिक-से-अधिक युवाओं को रोजगार सुलभ होंगे। लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। राष्ट्रहित में एक व्यापक पहल होगा।

जय हिन्द!

जय झारखण्ड!